मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 | अंक : 84 | बुधवार, 11 जून 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

हेरा फेरी-3 में नहीं लौटेंगे परेश रावल

अंबरनाथ में अवैध टपरियों पर बड़ी तोड़क कार्रवाई

- **नगर परिषद अतिक्रमण विभाग ने चलाया जेसीबी**
- **गांजा, सिगरेट, गुटखा का चल रहा था व्यापार**

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद अतिक्रमण विभाग ने कल्याण, बदलापुर मुख्य महामार्ग के आसपास की पान की टपरियों, हाथगाड़ियों पर जबरदस्त कार्रवाई की है. ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि इन पान की टपरियों, हाथगाड़ियों पर चरस, गांजा एवं अवैध गुटखा का व्यापार धड़ल्ले से किया जा रहा था.

नपा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जेसीबी की सहायता से ये बड़ी कार्रवाई की है. जिसके लिए अंबरनाथ पुलिस का बंदोबस्त लिया गया था. कुछ हाथगाड़ियों को जब्त कर लिया गया तो टपरियों को जेसीबी की सहायता से तोड़ दिया गया. ये कार्रवाई साईबाबा मंदिर से मोरीवली तक की गई है. स्कूल के पास जहां टपरियों में बीड़ी, सिगरेट, चरस , गांजा बेचा जाता था. ऐसी अवैध टपरियों के जेबीसी से पूरी तरह तोड़ दिया गया.

मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के आदेश पर एवं मुरबाड बदलापुर के विधायक किसन कथोरे के इस बयान के बाद कि पान टपरियों, हाथगाड़ियों पर चरस-गांजा बेचा जा रहा है. इसके बाद ये बड़ी कार्रवाई की गई है. अतिक्रमण विभाग के प्रमुख नरेंद्र संख्ये, सुनिल गावितऔर कर्मचारियों ने ये कार्रवाई की है. कार्रवाई करते समय खलबली मच गई थी. ऐसी ही कार्रवाई शहर पूर्व में बी केबिन रोड, शिवाजी चौक, लोकनगरी सड़क पर भी करने की जरूरत है. ये कार्रवाई जारी रहेगी, ऐसा नपा प्रशासन की ओर से बताया गया है.

लोकल के दरवाजे पर खतरनाक सफर

- **भारी भीड़ के चलते यात्री जान हथेली पर लेकर करते हैं यात्रा**
- **लोकल सेवा बढ़ाने की मांग 13 साल से लंबित**

कल्याण. मध्य रेलवे के प्रवेशद्वार और महत्वपूर्ण जंक्शन कल्याण रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन चार लाख यात्री यात्रा करते हैं। प्रतिदिन यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण सभी लोकल ट्रेनें फुल चल रही हैं, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान दरवाजे पर खड़े होकर यात्रा करने को मजबूर होना पड़ रहा है। अत्यधिक भीड़ के कारण यात्री लोकल ट्रेनों से गिरकर अपनी कीमती जान भी गंवा देते हैं. लोकल सेवा बढ़ाने की मांग उठी है, लेकिन पिछले 13 वर्षों में इसे पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है। मुंबई की लोकल ट्रेन में सोमवार सुबह के दीवा और मुंब्रा स्टेशन के बीच दर्दनाक हादसा हुआ. यहां भीड़भाड़ की वजह से लोकल ट्रेन से गिरने के कारण 4 यात्रियों की मौत हो गई और 9 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के वक्त ट्रेन बेहद भरी हुई थी और कई यात्री दरवाजों पर लटककर सफर कर रहे थे.

मध्य रेलवे का कल्याण स्टेशन बहुत व्यस्त स्टेशन है। यहां से प्रतिदिन 205 ट्रेनें मुंबई की ओर चलती हैं और इतनी ही संख्या में लोकल ट्रेनें मुंबई से कल्याण की ओर आती हैं। इस लोकल ट्रेन से प्रतिदिन तीन लाख 76 हजार यात्री यात्रा करते हैं। यात्रियों की संख्या को देखते हुए लोकल ट्रेनों की संख्या बहुत अपर्याप्त है, जिससे यात्रियों को कठिनाई हो रही है। मध्य रेलवे पर हर साल लगभग 700 से 800 यात्री अपनी जान गंवाते हैं। हालांकि, रेलवे का जवाब है कि लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाना संभव नहीं है।

मध्य रेलवे पर 2012-13 में 15 कोच वाली लोकल ट्रेनें चलनी शुरू हुईं। हालांकि उस समय लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई गई थी, लेकिन पिछले 13 से 14 वर्षों में एक भी लोकल ट्रेन नहीं जोड़ी गई है।

मध्य रेलवे पर चलने वाली नौ लोकल ट्रेनें 15 कोच वाली हैं। इस मार्ग पर प्रतिदिन 80 वातानुकूलित सेवा चलती हैं। यदि तीसरी और चौथी रेलवे लाइन का काम पूरा हो जाए तो इस समस्या का समाधान हो सकता है। हालाँकि, भूमि अधिग्रहण के कारण तीसरे और चौथे लेन के निर्माण में देरी हुई है। रेलवे अधिकारियों ने सवाल उठाया है कि जब यात्री ही रेलवे को जगह देने का विरोध कर रहे हैं तो रेलवे लाइन का विस्तार कैसे होगा।

लगेंगे ऑटोमैटिक डोर

दीवा और मुंब्रा स्टेशन के बीच दर्दनाक हादसे में 4 लोगों की मौत के तुरंत बाद, रेलवे बोर्ड ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यात्रियों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाए हैं. रेलवे बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, अब से मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में निर्माणाधीन सभी रेलवे स्टेशन में स्वचालित दरवाजा बंद करने की सुविधा अनिवार्य रूप से जोड़ी जाएगी. इसका उद्देश्य यह है कि चलती ट्रेन में दरवाजे खुले न रहें और कोई भी यात्री लटककर यात्रा न करें. इसके साथ ही, वर्तमान में सेवा में चल रही सभी कोच को भी दोबारा डिज़ाइन किया जाएगा.

लोकल ट्रेनों में मृत्यु दर 38.08%

- **न्यूयॉर्क, लंदन और फ्रांस से कई गुना अधिक**
- **न्यायालय ने समय-समय पर संज्ञान लिया है**

मुंबई. सोमवार को दिवा-मुंब्रा स्टेशनों के बीच हुई दुर्घटना से उपनगरीय रेल यात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है। पिछले साल पालघर निवासी यतिन जाधव ने उपनगरीय ट्रेनों में यात्रियों की मौत के संबंध में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी। मुंबई उपनगरीय रेलवे के कारण मृत्यु दर 38.08 प्रतिशत है। रेल दुर्घटनाओं में मृत्यु दर न्यूयॉर्क में 9.08 प्रतिशत, फ्रांस में 1.45 प्रतिशत तथा लंदन में 1.43 प्रतिशत बताई गई। उच्च न्यायालय ने इसे विश्व की सबसे बड़ी संख्या बताते हुए इसकी आलोचना की थी और कहा था कि यह शर्मनाक मामला है। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने यह भी आदेश दिया कि इस बात पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए कि प्रतिदिन होने वाली मौतों को कैसे कम किया जा सके। यह फैसला देवेन्द्र कुमार उपाध्याय की पीठ ने दिया। 2023 में पश्चिमी रेलवे की उपनगरीय ट्रेनों में 2,590 यात्रियों की जान चली जाएगी। इसका मतलब है कि हर दिन सात लोगों की मौत हुई है।

याचिकाकर्ताओं ने पीठ को बताया कि मध्य रेलवे पर दुर्घटनाओं में 1,650 लोग मारे गए, जबकि पश्चिमी रेलवे पर 940 लोग मारे गए और 2,441 घायल हुए। उपनगरीय रेल यात्रा के दौरान मृत्यु का मुख्य कारण रेलवे ट्रैक पार करना, ट्रेन से गिरना या रेलवे ट्रैक की चपेट में आना है। अदालत के ध्यान में यह भी लाया गया कि जिन मामलों में उपनगरीय रेलगाड़ियां निर्धारित समय पर नहीं आती हैं, रेलगाड़ियां अचानक रद्द कर दी जाती हैं, ट्रेन के प्लेटफार्म बदल दिए जाते हैं, काम में देरी हो जाती है, या किसी छात्र की परीक्षा होती है, तो यात्री नियमों का उल्लंघन करते हैं और अपनी जान गंवा देते हैं।

रेलवे प्रशासन का कबूलनामा

अदालत के फैसले के बाद पश्चिमी और मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा एक हलफनामा प्रस्तुत किया गया। आंकड़ों के अनुसार, रेलवे प्रशासन ने माना है कि 20 वर्षों में उपनगरीय यात्रा के दौरान 51,802 हजार से अधिक मौतें हुईं। कुल 51,802 हजार मुंबईकरों ने रेल दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई है, जिसमें (पैरा) लाइन पर 22,481 और मध्य रेलवे (मरे) पर 15 वर्ष से अधिक आयु के 29,321 लोग शामिल हैं।

उल्हासनगर मनपा का 'हरित क्रांति' का संकल्प

उल्हासनगर: जलवायु परिवर्तन की तीव्रता दिन-प्रतिदिन बढ़ने के साथ ही अब प्रशासनिक एजेंसियां भी पर्यावरण की रक्षा के लिए पहल कर रही हैं। सरकार ने ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते स्तर और कार्बन उत्सर्जन के कारण उत्पन्न होने वाली संकटों की श्रृंखला को रोकने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

इस पृष्ठभूमि में, उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने 'कार्बन फुटप्रिंट' को कम करने का एक महत्वाकांक्षी संकल्प लिया है। कुल मिलाकर, पर्यावरण अनुकूल कार्यालय संस्कृति की ओर कदम बढ़ना शुरू हो गया है।

'ग्रीन ऑफिस' के नजरिए से एक कार्ययोजना के रूप में कार्य किया जा रहा है, जिसके माध्यम से प्रशासनिक कार्यों में नई संवेदनशीलता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

डिजिटल लेन-देन और कागज का उपयोग सीमित हो गया है। कागज रहित कार्यालय के लिए ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी उपयोग तथा अनावश्यक मुद्रण को रोकना तथा डिजिटल दस्तावेजों को प्राथमिकता देना।

इनडोर पौधों का उपयोग किया जाना चाहिए। उल्हासनगर महानगरपालिका के प्रत्येक विभाग ने अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया है, और हम सतत विकास का एक आदर्श बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने कहा है.

सिंचाई विभाग ने 'एंटीलिया घाट' को ध्वस्त करने का दिया आदेश

- **7 करोड़ की विधायक निधि से बनाया गया है घाट**

उल्हासनगर. उल्हास नदी के किनारे बन रहे एंटीलिया घाट प्रोजेक्ट को बड़ा झटका लगा है। ठाणे सिंचाई विभाग ने विधायक निधि से सीधे बनाए गए 7 करोड़ रुपये की लागत वाले इस भव्य घाट को 'अवैध' घोषित कर दिया है और इसे तत्काल ध्वस्त करने का आदेश दिया है।

यह सफलता पर्यावरणविद् और हीराली फाउंडेशन की अध्यक्ष एड. सरिता खानचंदानी द्वारा लगातार की गई कार्रवाई का परिणाम है. इससे एक बार फिर विकास के नाम पर प्रकृति का गला घोंटने का मुद्दा चर्चा में आ गया है।

ठाणे सिंचाई विभाग ने शहाड़ क्षेत्र में उल्हास नदी बेसिन में बन रहे बहुचर्चित 'एंटीलिया घाट' प्रोजेक्ट को अवैध घोषित कर दिया है और इसे पूरी तरह से ध्वस्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। भाजपा विधायक कुमार आयलानी द्वारा उपलब्ध कराए गए फंड से पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह घाट अब चालू होने की प्रक्रिया में है।

बताया गया कि घाट निर्माण के लिए 2022 से काम शुरू हो गया और घाट का उपयोग गणपति विसर्जन और नागरिकों की शाम की सैर के लिए किया जाएगा। हालांकि, इस घाट के निर्माण में वन भूमि पर पेड़ों की कटाई, मिट्टी भराव और नदी के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप के संबंध में शिकायतें दर्ज की गईं।

यह मामला पर्यावरणविद् एड. सरिता खानचंदानी की शिकायत से शुरू हुआ. उन्होंने सबसे पहले इस संबंध में उल्हासनगर मनपा और वृक्ष प्राधिकरण को लिखित शिकायत दर्ज कराई। लेकिन कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने सीधे ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय और जल संसाधन विभाग में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत के समर्थन में गूगल इमेजेस पर उपलब्ध क्षेत्र की पुरानी और वर्तमान तस्वीरों की तुलना भी प्रस्तुत की।

सरिता खानचंदानी के अनुसार, इस क्षेत्र में घनी वनस्पतियाँ नदी के किनारे की मिट्टी को थामे रखती थीं, जिससे बाढ़ का ख़तरा कम होता था। हालाँकि, कई पुराने पेड़ों के कट जाने से अब मिट्टी की पकड़ ढीली हो गई है और भविष्य में बाढ़ गंभीर हो सकती है।

इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि निर्माण के लिए कोई वैध अनुमति नहीं थी, तथा आदेश दिया गया कि इस घाट के निर्माण को ध्वस्त कर दिया जाए।

> उल्हास नदी के प्राकृतिक प्रवाह में अवैध हस्तक्षेप पर्यावरण के लिए एक बड़ा झटका है। बिना अनुमति के पेड़ों की कटाई, मिट्टी भराई और सीमेंट निर्माण कार्य शुरू हो गया, जो पूरी तरह से कानून के खिलाफ है। हमारे लगातार फालोअप के बाद, जल संसाधन विभाग ने सही कदम उठाया है। नदी के आसपास का क्षेत्र संवेदनशील है और ऐसी परियोजनाओं से बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। यह न केवल प्रकृति के लिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी नुकसानदायक है।
>
> **-एड. सरिता खानचंदानी**, अध्यक्ष, हीराली फाउंडेशन

> हमने यह घाट शहर के निवासियों की सुविधा और सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाया है। यह सुविधा तब आवश्यक लगी जब उल्हासनगर के निवासियों को गणेश विसर्जन के लिए कल्याण तक जाना पड़ता था। सभी कार्य पीडब्ल्यूडी और जिला कलेक्टर कार्यालय की अनुमति से किए जा रहे हैं। हमने कोई अवैध निर्माण नहीं किया है। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए अब तक 200 पेड़ लगाए जा चुके हैं तथा 1000 पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है।
>
> **-कुमार आयलानी**, विधायक, उल्हासनगर विधानसभा

हुक्का पीने वाले 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी. पुलिस ने एक हुक्का पार्लर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार, नारायण कंपाउंड में बंद पड़े पावरलूम कारखाने में अवैध रूप से हुक्का पार्लर संचालित होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम ने शनिवार आधी रात को उस जगह पर छापा मारा और वहां राजू मेरगु, करीमुल अली, नवीद अंसारी, समीर शेख, सलमान अंसारी, आकिफ अंसारी, इराफ अंसारी, अरुण मोहन शाह को हुक्का पीते हुए पाया. पुलिस ने 2,700 रुपये का माल जब्त किया और सभी के खिलाफ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2018 की धारा 4 (ए) और 29 (ए) का उल्लंघन करने का मामला दर्ज कर चेतावनी देकर छोड़ दिया.

उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने अवैध दुकानों पर चलाया बुलडोजर

- **सड़क विकास के लिए लिया फैसला**
- **पुलिस का रहा भारी बंदोबस्त**

उल्हासनगर. एक ओर जहां स्थानीय प्रशासन सड़कों को चौड़ा करने के लिए संघर्ष कर रहा है, वहीं दूसरी ओर नाले पर अवैध रूप से बनी दुकानें मनपा की राह में रोड़ा बन रही थीं। इसलिए आखिरकार राजनीतिक हस्तक्षेप, स्थानीय दबाव के बावजूद समय-समय पर नोटिस भेजने के बाद दुकानों को जेसीबी से साथ ध्वस्त कर दिया गया।

उल्हासनगर के पंजाबी कॉलोनी इलाके में नाले पर अवैध रूप से बनी तीन दुकानें थीं। आखिरकार उल्हासनगर मनपा ने पुलिस सुरक्षा में तीनों दुकानों को ध्वस्त कर दिया। पिछले कई महीनों से सड़क चौड़ीकरण के काम में बाधा बन रही ये दुकानें कुछ राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण बच गई थीं। हालांकि मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के आदेशानुसार सहायक आयुक्त गणेश शिंपी और मनीष हिवारे के साथ मनपा की टीम जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची और प्रशासन ने बिना किसी समझौते के इन अतिक्रमणों को हटा दिया।

नोटिस देने के बावजूद क्रिटिकल केयर अस्पताल से आजादनगर तक सड़क और नाला चौड़ीकरण मार्ग पर निर्माण कार्य जारी है। इस मार्ग पर तीन दुकानों में कुमार भगवानदास की दुकान भी थी। यह सीधे नाले पर बनी थी। मनपा ने इन्हें बेदखल करने के लिए सबसे पहले अगस्त 2024 में नोटिस जारी किया था। लेकिन संबंधित व्यक्तियों ने फिर से नई दुकानें बना ली थीं। उसके बाद सड़क चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न होने के कारण 9 मई 2025 को अंतिम नोटिस दिया गया। इसके चलते इन अतिक्रमणों को हटाया गया।

वार्ड क्रमांक 2 के सहायक आयुक्त मनीष हिवरे ने स्पष्ट किया कि ये दुकानें नाले पर अवैध रूप से बनी हुई थीं। मनपा द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नोटिसों पर ध्यान न दिए जाने के कारण आखिरकार कार्रवाई की गई। हमने शहर के सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ऐसे अतिक्रमणों को बलपूर्वक हटाने की नीति अपनाई है। माना जा रहा है कि प्रशासन के इस रुख से अन्य अनधिकृत निर्माणों पर भी लगाम लगेगी।

महाविकास आघाड़ी मनपा चुनाव मिलकर लड़ेंगी : जयंत पाटिल

पुणे. महा विकास आघाड़ी में शामिल तीनों दल एक साथ आकर राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेंगे, यह जानकारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने दी. उन्होंने कहा है कि अगर मनसे भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के साथ आना चाहती है तो महाविकास आघाड़ी में उनका स्वागत है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों राष्ट्रवादियों के एक साथ आने के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है और केवल मीडिया ने ऐसा माहौल बनाया है। वे सोमवार (9 तारीख) की सुबह मंजरी स्थित वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) के निदेशक मंडल की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बात की। महाविकास आघाड़ी एक महाविकास अघाड़ी है जो एक साथ आने वाले दलों के साथ आगे बढ़ता है। इसमें कोई समस्या नहीं दिखती। यदि शिवसेना मनसे को अपने साथ लाने का फैसला करती है, तो महा विकास आघाड़ी की ताकत बढ़ाने के लिए उनका स्वागत है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि राज ठाकरे एक प्रभावी वक्ता हैं। यदि गठबंधन की ताकत बढ़ रही है, तो क्यों नहीं? हालाँकि, मुझे नहीं पता कि चर्चाएँ जारी हैं या नहीं।

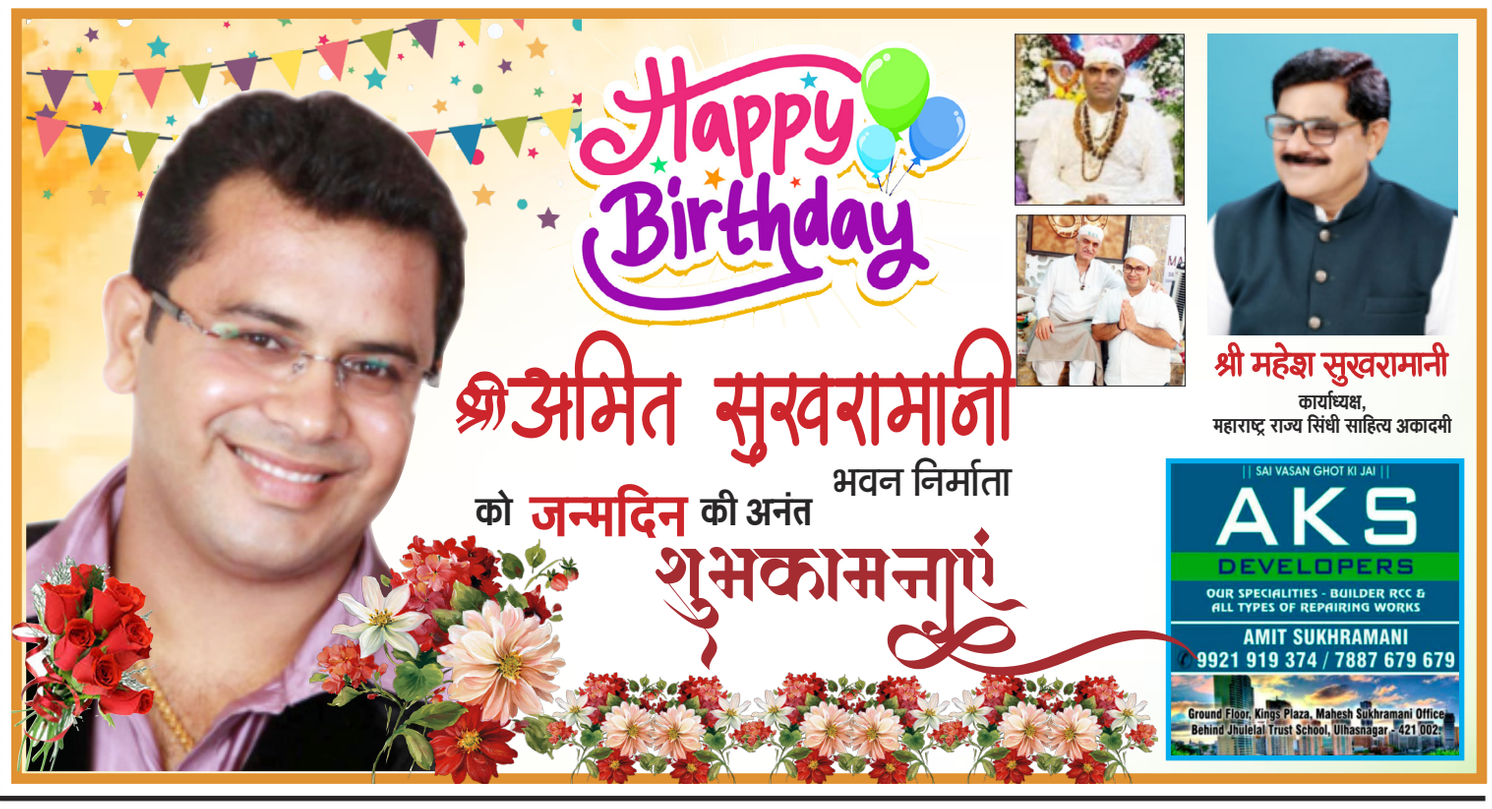

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

भयावह घटना में बदला हनीमून

भारत में विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें जीवन भर के रिश्ते की बुनियाद पड़ती है। एक विश्वास के साथ युगल अपने नए जीवन की यात्रा आरंभ करता है। पति और पत्नी दोनों को भरोसा होता है कि जब भी वे मुश्किल डगर पर होंगे, तो एक-दूसरे को संभाल लेंगे। इंदौर के राजा रघुवंशी शादी के एक हफ्ते बाद अपनी मधुर स्मृतियों को सहेजने के लिए पत्नी के साथ जब मेघालय गए होंगे, तब उन्हें पता नहीं होगा कि वे कभी लौट कर घर नहीं आएंगे और उनका हनीमून एक भयावह घटना में बदल जाएगा। शिलांग में पर्यटन के दौरान यह नवयुगल लापता हो गया था। इसके बाद एक खाई में राजा का शव मिला। तब से उनकी पत्नी सोनम गायब थी। पुलिस उसे ढूंढ़ती रही। सात दिन बाद पता चला कि वह गाजीपुर में है। इसके बाद देश को झकझोर देने वाली इस घटना से पर्दा उठ गया। पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही पति की हत्या भाड़े के हत्यारों से कराई है। उसने आत्मसमर्पण जरूर कर दिया है, लेकिन सवाल उठता है कि अगर उसे आपत्ति थी, तो उसने यह शादी ही क्यों की?

पिछले एक अरसे में नवदंपतियों के बीच बढ़ते अविश्वास और मतभेद के कारण कलह, मारपीट और तलाक के मामले बढ़े हैं। जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने का जो वचन दिया जाता है, वह कुछ दिनों या महीनों में टूटने लगता है। दोनों पक्ष के परिवारों के समझाने-बुझाने पर भी कई बार पति-पत्नी साथ नहीं रहते और नवयुगल का घरौंदा बसने से पहले ही उजड़ जाता है।

मगर सवाल है कि वे कौन से कारण हैं, जिनकी वजह से नवदंपतियों में टकराव की नौबत पैदा होती है। इसे समझना होगा। दरअसल, इसके पीछे अति महत्त्वाकांक्षा, सुख-सुविधाएं और अवैध संबंध तो हैं ही, वहीं परिवार के दबाव में अनिच्छा से की गई शादी भी बड़ी वजह है। फिलहाल सोनम पर जो गंभीर आरोप लगे हैं, इसका जवाब अब उसी को देना है। मगर, इस घटना ने सभी को झकझोर दिया है।

दक्षिण एशिया में भारत के लिए फिर से बढ़ रही चुनौती

पहलगाम हमला और उसके बाद भारत के आपरेशन सिंदूर की वजह से दक्षिण एशिया हाल के दिनों में दुनिया भर की मीडिया में सुर्खियों में रहा है। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन तक, अफ्रीकी महादेश व दक्षिण अमेरिकी देशों से लेकर यूरोपीय देशों व एशिया के अन्य देशों ने भारत व पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति को लेकर चिंता जताई है। लेकिन अगर आप थोड़ा गौर से देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव की मौजूदा स्थिति के अलावा भी दक्षिण एशिया में बहुत कुछ हो रहा है।

असलियत में देखा जाए तो जिस तरह से वैश्विक शक्तियां इस समूचे क्षेत्र में सक्रियता दिखा रही हैं, वैसी स्थिति केवल पिछली सदी के सातवें दशक में ही दिखाई दी थी। तब अमेरिका और रूस के बीच प्रतिस्पर्द्धा का असर दक्षिण एशिया में दिखाई दिया था और अब रूस की जगह चीन ले चुका है। अमेरिका और चीन के बीच अफगानिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक में शतरंत की बिसात बिछती दिख रही है। अभी गेम की शुरुआत ही है और इसका रुख किस तरफ होगा, यह तो साफ नहीं है, लेकिन यह निश्चित है कि जो भी परिणाम होगा उसका भारत पर बड़ा असर होगा।

पिछले दिनों एक तरफ भारत और पाकिस्तान के बीच मिसाइलों का आदान-प्रदान हो रहा था, तभी भारत और बांग्लादेश एक दूसरे के आर्थिक हितों के खिलाफ कदम उठा रहे थे। पहले बांग्लादेश ने जमीनी रास्ते से भारतीय सूत का आयात करना बंद किया तो उसके

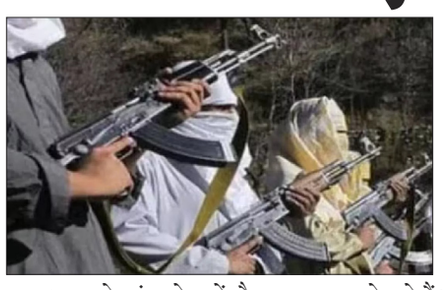

बाद भारत ने बांग्लादेश में तैयार रेडीमेड गार्मेंट्स का जमीनी रास्ते से भारत व यहां से दूसरे देशों को होने वाले निर्यात पर रोक लगा दी। इस खबर के बीच यह बात कहीं दब कर रह गई कि लंबे अरसे बाद बांग्लादेश और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग बढ़ने लगा है।

बांग्लादेश के काक्स बाजार में अमेरिकी सेना और वायु सेना के सदस्यों के साथ बांग्लादेश की सेना के बीच एक सैन्य अभ्यास चल रहा है। वैसे यह अभ्यास असैनिक महत्व का है, लेकिन इसके मायने गहरे हैं। इसके तार कहीं न कहीं म्यांमार की मौजूदा आंतरिक हालात से जुड़े हैं। म्यांमार में सैनिक शासक कमजोर पड रहे हैं और देश के कई इलाके में विद्रोही समूहों का कब्जा हो चुका है। अमेरिका इन विद्रोही समूहों को शह देने की योजना बना रहा है। ऐसा करके वह सैनिक शासक व प्रधानमंत्री मिन आंग ह्लाइंग के लिए हालात मुश्किल करना चाहता है, लेकिन असली निशाने पर चीन है जो सैनिक तानाशाह को लगातार प्रश्रय दे रहा है।

अमेरिका का दोहरा रवैया : म्यांमार में अमेरिका के बढ़ती रुचि को संयुक्त राष्ट्र की तरफ से म्यांमार के रखाइन प्रांत के लिए मानवीय आधार पर गलियारा बनाने के प्रस्ताव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। इस गलियारे को बनाने के लिए अमेरिका को बांग्लादेश की मदद चाहिए। कहा तो यह जा रहा है कि इस गलियारे से रखाइन प्रांत में मानवीय सहायता पहुंचाई जा सकेगी, रोहिंग्याओं का पुर्नवास किया जा सकेगा आदि।

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस इसके लिए तैयार भी हैं, लेकिन बांग्लादेश की सेना का कहना है कि इतना बड़ा फैसला लोकतांत्रिक सरकार को ही करना चाहिए। चीन के बढ़ते वर्चस्व से चिंतित अमेरिका बंगाल की खाड़ी में अपने हितों के मुताबिक विस्तार चाहता है। पूर्व पीएम शेख हसीना कह चुकी हैं कि अगर उन्होंने बंगाल की खाड़ी में स्थिति सेंट मिर्टन द्वीप को अमेरिका को सैन्य अड्डा बनाने के लिए दे दिया होता तो उन्हें सत्ता नहीं गंवानी पड़ती।

अभी तक जो सूचनाएं सामने आ रही हैं, उससे यह भी पता चलता है कि अमेरिकी सरकार की म्यांमार को लेकर तैयार इस नई नीति में भारत के साथ कोई विमर्श नहीं किया गया है। वैसे अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए भारत को अपना अहम रणनीतिक साझेदार मानता है, लेकिन भारत के पड़ोस में चीन के प्रभाव को चुनौती देने के लिए जो नीति बना रहा है, उसमें भारत की कोई भूमिका नहीं है।

प्रभु
हमारे सच्चे साथी हैं।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

विकास और रोजगार के नए अवसर

सड़कें और रेल पटरियां किसी भी देश की विकास रेखा मानी जाती हैं। यही आधारभूत ढांचे का सबसे मजबूत पक्ष होती हैं। इसलिए हर देश द्रुतगामी मार्गों और रेल पटरियों के विकास तथा विस्तार पर विशेष ध्यान देता है। जम्मू-कश्मीर की चिनाब नदी पर बने मेहराबदार पुल को इसी अर्थ में देखा जा सकता है। जम्मू-कश्मीर अभी तक देश के रेल संजाल से कटा हुआ था। इस पुल के चालू हो जाने के बाद वह भी देश की मुख्यधारा रेल यातायात से जुड़ गया है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है, एफिल टावर से भी ऊंचा। इसे बनाना निस्संदेह बड़ी चुनौती थी।

जिस इलाके में इसे बनाया गया है, वह भूकम्प की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। यहां हर समय भूकम्प का खतरा बना रहता है। फिर, ऊंचाई अधिक होने के कारण इस पर पड़ने वाले वायुदाब और मौसम के प्रकोप से बचाव के उपाय करना भी कठिन था। मगर काबिल अभियंताओं ने इन तमाम चुनौतियों को स्वीकार किया और एक मिसाल के रूप में इसे खड़ा कर दिया। इसे बनाने में लंबा समय लग गया। इस दौरान कई तरह की अड़चनों का भी सामना करना पड़ा। मगर अब इसके बन कर तैयार हो जाने से अनेक कठिनाइयां दूर हो जाने की उम्मीद

जगी है। हालांकि कश्मीर और लद्दाख सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़े हैं। इन क्षेत्रों में नई सुरंगें बन जाने से सड़कों पर वाहनों की गति भी बढ़ गई है, मगर पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के जरिए आवागमन उस तरह कभी आसान और सुविधाजनक नहीं रहता, जिस तरह रेल पटरियों से होता है। रेल मार्ग के जरिए न केवल मुसाफिरों की आवाजाही सुगम हो जाती है, बल्कि माल ढुलाई में बहुत आसानी होती है। रेल मार्गों का विकास औद्योगिक उन्नति के लिहाज से बहुत जरूरी माना जाता है।

इस अर्थ में चिनाब पुल के खुल जाने से कश्मीर में औद्योगिक विकास और रोजी-रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावनाएं खुल गई हैं। वहां के हस्तशिल्प और कृषि उत्पाद अब आसानी से देश के बाजारों तक पहुंच सकेंगे। जो कश्मीरी युवा और बहुत सारे स्थानीय लोग आमतौर पर पर्यटन पर निर्भर थे और वर्ष के कुछ महीनों में ही कारोबार कर पाते थे, उन्हें अब पूरे साल कारोबार का अवसर मिल सकेगा। स्वाभाविक ही, इस तरह वहां बेरोजगारी कम होगी और जो युवा आतंकी संगठनों के बरगलाने से गुमराह हो जाया करते थे, उन्हें तरक्की का रास्ता नजर आएगा। चिनाब पुल शुरू हो जाने के बाद इस पर तेज रफ्तार गाड़ियों की आवाजाही बढ़ेगी, तो वहां सैलानियों का पहुंचना भी तेज होगा। पाकिस्तान की कोशिश रही है कि कश्मीर को किसी तरह भारत के दूसरे हिस्सों से अलग-थलग रखा जाए। इस तरह चिनाब पुल एक तरह से उसकी कोशिशों पर पानी फेरने में मददगार होगा। दूसरी बात कि यह पुल बन जाने से कश्मीर घाटी और लद्दाख तक सैन्य साजो-सामान और सैनिकों की पहुंच तेज हो जाएगी।

अभी रोज ही लगभग पूरा दिन लगा कर सैन्य टुकड़ियां श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर पहुंचती हैं। प्रधानमंत्री ने पुल के साथ-साथ तेज रफ्तार वंदेभारत गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई। यानी अब बहुत कम समय में श्रीनगर तक पहुंचना संभव हो गया है। इस तरह यह पुल न केवल इंजीनियरिंग का एक अद्भुत शाहकार, बल्कि तरक्की की नई राह खोलने का माध्यम भी बन गया है।

खुदाई में मिला पहिये से बंधा कंकाल

जरा हट के

आधुनिक समाज में मुजरिमों को सजा देने के तरीके काफी हद तक मानवीय हो गए हैं. पर ऐस हमेशा नहीं था, जुल्म की इंतहा की मिसालें इतिहास में बहुत मिलती हैं. वैसे तो जालिम राजाओं के जुल्म और सजा देने के तरीकों पर बहुत से किस्से कहानीयां और ऐतिहासिक प्रमाण भी है. फिर पुराने दौर के कई शासनों में मुजरिमों को सज़ा देने के कुछ तरीके बहुत ही ज़ालिम हुआ करते थे. हाल ही में पुरातत्व विशेषज्ञों को खुदाई में एक कंकाल ऐसा महिला है जो इसी तरह की एक दास्तान बयां कर रहा है. इसमें पहिये पर बांध कर बहुत ही क्रूर तरीके से यातना देकर मौत की सजा दी जाती थी.

यातना का एक क्रूर तरीका

मिलान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित अध्ययन इस खोज के बारे में विस्तार से बताया गया है. शोधकर्ताओं को मध्य युग में

रहने वाले ऐसे शख्स की हड्डियां मिली हैं जिससे पता चलता है कि उस दौर में क कुख्यात और क्रूर तरीके से यातना देने की तकनीक का इस्तेमाल होता है. इस शख्स का सर यातनाओं के साथ अलग ही तरह से सिर कलम कर दिया गया था.

13वीं सदी के दौर का यह लड़का 17 से 20 साल की उम्र में ही मार दिया गया था. इसे इटली के उत्तरी भाग में मिलान में एक गिरजाघर के पास दफनाया गया था.उसकी हड्डियों की जांच से पता चला कि उसे जगह जगह चोटों के निशान लगे हुए थे जो उसे पूरे शरीर पर बड़े करीने से फैले हुए थे. साफ पता चल रहा है कि ये किसी दुर्घटना आदि के नहीं बल्कि जानबूझ कर पहुंचाईं चोटों के निशान थे.

आयरिश स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यह बर्बर तरीका पूरे यूरोप में सार्वजनिक फांसी के लिए बहुत प्रचलित था. ऐसा जब आधुनिक युग की शुरुआत, यानी 1500 के आसपास के समय तक चलन में रहा था. इस तरीके में जगह और वक्त के हिसाब से बदलाव भी हुए थे. लेकिन फिर भी इसमें हड्डियों को बहुत व्यवस्थित तरीके से तो जरूर तोड़ा ही जाता था, साथ ही पहिये के कारण इसमें तकलीफ बढ़ जाती थी.

मिक्स वेजिटेबल सूप

मौसम चाहे जो हो, इम्युनिटी को मजबूत रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में, आप अपनी डाइट में टेस्टी और हेल्दी मिक्स वेजिटेबल सूप को भी शामिल कर सकते हैं, जो न सिर्फ आपको अंदर से ताकत देगा बल्कि स्किन और बालों के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। खास बात है कि इसे बनाना भी बहुत आसान है और आप अपनी पसंद की कोई भी सब्जियां इसमें शामिल सकते हैं।

सामग्री :

- 1 कप कटी हुई गाजर
- 1/2 कप कटी हुई बीन्स
- 1/2 कप कटे हुए मटर
- 1/2 कप कटा हुआ पालक या ब्रोकली
- 1/4 कप कॉर्न (आप मशरूम, पत्ता गोभी भी ले सकते हैं)
- 1 छोटा प्याज
- 2-3 लहसुन की कलियां
- 1 इंच अदरक का टुकड़ा
- 4-5 कप वेजिटेबल स्टॉक या पानी
- 1 चम्मच ऑलिव ऑयल या कोई भी कुकिंग ऑयल
- 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर

विधि :

सबसे पहले सारी सब्जियों को धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके

बाद लहसुन, अदरक और प्याज को भी बारीक काट लें। फिर एक गहरे पैन या पतीले में तेल गरम करें। इसमें बारीक कटा हुआ लहसुन, अदरक और प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। अब कटी हुई गाजर, बीन्स, मटर और बाकी सभी कटी हुई सब्जियां डालकर 2-3 मिनट तक धीमी आंच पर भूनें, क्योंकि इससे सब्जियों का कच्चापन दूर हो जाएगा। इसके बाद भुनी हुई सब्जियों में वेजिटेबल स्टॉक या पानी डालें। अगर आपके पास वेजिटेबल स्टॉक नहीं है तो सादा पानी भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आंच तेज करके सूप में एक उबाल आने दें। फिर जब उबाल आ जाए तो आंच धीमी कर दें और इसे 10-15 मिनट तक पकने दें, जब तक कि सब्जियां नरम न हो जाएं। फिर इसमें काली मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आप चाहें तो इसमें थोड़ा-सा नींबू का रस भी डाल सकते हैं, यह स्वाद को और बढ़ा देगा। बस फिर सूप को एक बाउल में निकालें और ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डालकर गरमागरम परोसें।

सिर्फ बाघ और शेर ही नहीं, कुछ पौधे भी हैं मांसाहारी

धूप और पानी से नहीं, कीड़े खाकर रहते हैं जिंदा

अगर मांसाहारी जीवों की बात करें, तो दिमाग में सबसे पहले शेर, बाघ जैसे जानवरों का नाम आता है। कुछ छोटे-मोटे कीड़े-मकौड़े भी मांसाहारी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ पौधे भी कार्निवोरस यानी मांसाहारी होते हैं। जी हां, हैरान मत होइए। प्रकृति के अजूबों में यह भी शामिल है। कुछ पौधे, ऐसी जगहों पर उगते हैं, जहां कि मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी होती है। धरती से पूरा पोषण न मिल पाने के कारण वे कीड़े-मकौड़ों पर पोषण के लिए निर्भर होते हैं। आइए जानें कौन-से हैं वे पौधे, जो मांसाहारी हैं।

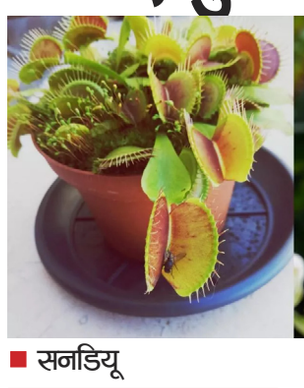

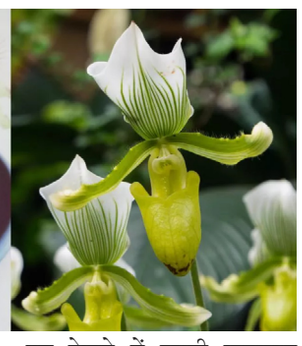

■ वीनस फ्लाई ट्रैप

वीनस फ्लाई ट्रैप दुनिया का सबसे मशहूर कार्निवोरस प्लांट है। इसकी पत्तियां दो हिस्सों में बंटी होती हैं, जिनके किनारों पर छोटे-छोटे दांत जैसे उभार होते हैं। जब कोई कीड़ा इसकी पत्तियों के बीच आता है, तो यह तेजी से बंद हो जाता है और कीड़े को फंसा लेता है। फिर डाइजेस्टिव एंजाइम्स छोड़कर उस कीड़े के पोषक तत्वों को अब्जॉर्ब कर लेता है।

■ पिचर प्लांट

पिचर प्लांट की पत्तियां गहरे पिचर यानी जग के आकार की होती हैं, जिनमें डाइजेस्टिव जूस भरा होता है। यह जूस मीठी गंध छोड़ता है, जिससे कीड़े आकर्षित होते हैं और अंदर गिर जाते हैं। एक बार फंसने के बाद, कीड़े इस जूस में डूबकर मर जाता है और पौधा उसे पचा लेता है।

■ सनडियू

सनडियू की पत्तियों पर छोटे-छोटे बाल जैसे टेंटेकल्स होते हैं, जिनके सिरों पर चिपचिपा पदार्थ होता है। धूप में ये चमकते हैं। इसलिए इसे सनडियू कहा जाता है। जब कोई कीड़ा इन पर बैठता है, तो वह चिपक जाता है और पौधा डाइजेस्टिव एंजाइम्स रिलीज करके उसे पचा लेता है। सनडियू दुनिया के कई हिस्सों में पाया जाता है और यह देखने में काफी खूबसूरत लगता है।

■ कोबरा लिली

इस पौधे का नाम कोबरा सांप की तरह इसकी आकृति के कारण पड़ा है। कोबरा लिली की पत्तियां लंबे ट्यूब जैसी होती हैं, जो अंदर से काफी चिकनी होती हैं। जब कीड़ा अंदर आता है, तो फिसलकर डाइजेस्टिव एंजाइम्स पूल में गिर जाता है और पौधा इसे धीरे-धीरे पचा लेता है।

■ ब्लैडरवॉर्ट

ब्लैडरवॉर्ट तालाबों और दलदल में पाया जाता है। इसकी जड़ों में छोटे-छोटे बुलबुल जैसे थैले होते हैं, जिन्हें ब्लैडर्स कहा जाता है। ये थैले वैक्यूम की तरह काम करते हैं और छोटे कीड़ों को अंदर खींच लेते हैं। ऐसा करने में उसे एक मिलीसेंकड भर का समय ही लगता है। इसलिए ब्लैडरवॉर्ट दुनिया का सबसे तेज शिकार करने वाला पौधा माना जाता है।

■ बटरवॉर्ट

बटरवॉर्ट की पत्तियां चिपचिपी होती हैं और इन पर एक मक्खन जैसा पदार्थ होता है, जिससे कीड़े चिपक जाते हैं। फिर पत्तियां एंजाइम रिलीज करके कीट को पचा लेती हैं।

आज का राशिफल

मेष : आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृषभ : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं।

मिथुन : आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कर्क : प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। प्रमाद न करें। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी।

सिंह : परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें। लाभ होगा।

तुला : मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यस्तता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी।

धनु : व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा।

मकर : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कुंभ : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बच्चों से बचपन न छीनिए...

- **जिंदगीभर की खुशियों पर लग जाएगा ग्रहण !**
- **नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा**

बच्चे नटखट होते हैं और खेलकूद में उन्हें खूब मजा आता है. बचपन में बिताए गए अच्छे पल बच्चों के लिए जिंदगीभर फायदेमंद होते हैं. अगर किसी बच्चे का बचपन अच्छा नहीं रहता है, तो उसका असर भी पूरी जिंदगी देखने को मिलता है. एक हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि बचपन का तनाव बच्चों के दिमाग पर गहरा असर डालता है. बचपन में झेले गए तनाव और कठिन अनुभव मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकते हैं. बचपन में होने वाली बुरी घटनाओं का दिमाग पर परमानेंट असर हो सकता है. कठिन और तनावपूर्ण बचपन कई मेंटल डिसऑर्डर की वजह बन सकता है.

इस रिसर्च में पता चला है कि बचपन की मुश्किलें ब्रेन स्ट्रक्चर और रोग प्रतिरोधक क्षमता में स्थायी बदलाव लाती हैं, जिससे डिप्रेशन, बाइपोलर डिसऑर्डर और अन्य मेंटल डिजीज का खतरा बढ़ जाता है. इटली के मिलान के आईआरसीसीएस ओस्पेडाले सैन रैफेल के वरिष्ठ शोधकर्ता सारा पोलेटी ने बताया कि शरीर का

इम्यून सिस्टम सिर्फ संक्रमण से नहीं लड़ता, बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य को आकार देने में भी अहम भूमिका निभाता है. बचपन का तनाव इस सिस्टम को बदल देता है, जिससे दशकों बाद मानसिक बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है.

वैज्ञानिकों ने इस स्टडी में उन इन्फ्लेमेटरी मार्कर्स की पहचान की गई है, जो बचपन के तनाव से जुड़े हैं. ब्रेन मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित स्टडी में मूड डिसऑर्डर के इलाज के लिए इम्यूनोमॉड्यूलेटरी एजेंट के इस्तेमाल पर ध्यान दिया गया है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार मूड डिसऑर्डर दुनिया भर में अक्षमता, बीमारी और मृत्यु का प्रमुख कारण हैं. इससे भविष्य में डिप्रेशन की स्थिति बने रहने की दर करीब 12 प्रतिशत और बाइपोलर डिसऑर्डर की 2 प्रतिशत तक रह सकती है. मूड डिसऑर्डर में प्रतिरक्षा प्रणाली की गड़बड़ी, खासकर सूजन प्रतिक्रिया प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. यह गड़बड़ी इन विकारों का एक प्रमुख कारण बन सकती है.

शोध में पाया गया कि जो इन्फ्लेमेटरी मार्कर्स बचपन के तनाव से जुड़े हैं, वे भविष्य में मानसिक बीमारियों के नए और बेहतर उपचार विकसित करने के लिए आधार बन सकते हैं. ये संकेतक डॉक्टरों को यह समझने में मदद करेंगे कि बीमारी का इलाज कैसे किया जाए. शोधकर्ताओं का कहना है कि वह प्रतिरक्षा प्रणाली और पर्यावरण के बीच संबंधों को और ज्यादा समझना चाहते हैं. उनका लक्ष्य ऐसी रोकथाम रणनीतियां विकसित करना है, जो खासकर तनावग्रस्त बचपन वाले लोगों में मानसिक बीमारियों के जोखिम को कम करे. यह शोध साइकैट्रिक केयर को समझने और रोकथाम की दिशा में एक बड़ा कदम है.

किचन सिंक की बदबू दूर करने के उपाय

किचन की साफ-सफाई आप जितनी करेंगे, उतना ही आपके परिवार के सदस्य और बच्चे सभी हेल्दी रहेंगे. वहीं, जो लोग अपने घर को, खासकर किचन को गंदा रखते हैं, वे अधिक बीमार पड़ते हैं. किचन का सिंक गंदा रहता है, उसमें से बदबू आ रही है या ब्लॉकेज की समस्या है तो आप इस समस्या से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं. किचन सिंक से आने वाली बदबू होगी मिनटों में दूर, करें ये उपाय

मास्टरशेफ पंकज भदौरिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे किचन सिंक से बदबू और ब्लॉकेज को दूर करने के आसान से हैक बताए हैं.

– शेफ पंकज भदौरिया कहती हैं कि अगर किचन सिंक से बदबू आ रही है, पानी भी सही से निकल नहीं रहा है, ब्लॉकेज है तो आपको चार चीजों की जरूरत पड़ेगी. बेकिंग सोडा, सफेद सिरका, नींबू का रस और गर्म पानी.

– सबसे पहले आप एक

चौथाई कप बेकिंग सोडा लें और इसे सिंक के छेद में डाल दें. अब इसी के ऊपर एक चौथाई कप नींबू का रस डाल दें.

– अब इन्हें 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें. अब आप पंद्रह मिनट बाद सिंक में आधा कप सफेद सिरका भी डाल दें. जैसे ही सिरका डालेंगे तो उसमें से बुलबुले निकलेंगे. बुलबुलों को नीचे बैठने जाने दें.

– अब आप इसमें एक जग गर्म पानी धीर-धीरे डाल दें. आप देखेंगे कि सिंक से पानी आसानी से बाहर निकलने लगा है. ब्लॉकेज की समस्या दूर होने के साथ ही इस हैक से गंदी बदबू भी दूर हो जाएगी. आपके सिंक में भी ये समस्या आए, तो इस आसान से नुस्खे को आजमाकर जरूर देखें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बरेली में 5 बंदरों की संदिग्ध हालात में मौत

यूपी के बरेली से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां किला क्षेत्र की चावल मंडी में किसी ने बंदरों को जहरीला पदार्थ खिला दिया। पांच बंदर बेसुध हो गए। सूचना पर पहुंचे सीओ, इंस्पेक्टर किला और पीएफए रेस्क्यू पदाधिकारी बंदरों को आईवीआरआई ले गए। तब तक चार बंदरों की मौत हो चुकी थी। पांचवें ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पांचों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीएफए रेस्क्यू प्रभारी धीरज पाठक ने बताया कि किला चावल मंडी में बंदरों को जहर देकर मारा गया है।

रिश्वत लेते कैमरे में कैद हुई महिला लेखपाल

शाहजहांपुर. शाहजहांपुर सदर तहसील की महिला लेखपाल का रिश्वत लेते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो में महिला लेखपाल रंजना सक्सेना एक आवेदक से खसरा नाम पर 100 रुपये लेते हुए नजर आ रही हैं। यह वीडियो सामने आने के बाद एसडीएम सदर ने तत्काल प्रभाव से लेखपाल को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी लेखपाल कुछ दिन पहले ही तिलहर तहसील से ट्रांसफर होकर सदर आई थीं और वर्तमान में कपसेड़ा हल्का देख रही थीं। आरोप है कि लेखपाल ने पीड़ित आवेदक को अपने घर बुलाकर अवैध रूप से पैसे लिए।

विदाई के दिन घर से फरार हुई युवती थाने पहुंच कर बोली- इश्क में हूं, प्रेमी के साथ ही रहूंगी

अंबेडकरनगर. यूपी के अंबेडकरनगर में विदाई के दिन फरार हुई युवती बसखारी थाने पहुंच कर पुलिस को बताया कि उसका आगरा के युवक के साथ प्रेम संबंध चला रहा है। बोली- इश्क में हूं। प्रेमी के साथ रहूंगी। प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जताने पर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ा दी है। बसखारी थाना क्षेत्र के भोजपुर में 20 वर्षीय युवती की शादी बीते वर्ष 22 नवंबर को मदैनिया राजेसुल्तानपुर के युवक के साथ हुई थी। युवती बीएससी की छात्रा भी है। शादी में विदा होकर युवती ससुराल पहुंची। महज एक सप्ताह बाद राजी खुशी से युवती ससुराल से विदा होकर अपने मायके आई, लेकिन समय बीतने के साथ ही सब कुछ बदलता रहा। ससुराल वालों ने बीते नौ मई को विदाई के लिए दिन रखा तो उसी दिन विवाहिता अपने मायके से फरार हो गई।

हाईटेंशन तार बना काल! लोहे की सीढ़ी छूते ही सगे भाइयों की गई जान, गांव में मचा कोहराम

बस्ती. यूपी के बस्ती से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां नगर थानांतर्गत खुटहन गांव में मंगलवार की सुबह करंट की चपेट में आकर दो सगे भाइयों की मौत हो गई। दोनों एक लोहे की सीढ़ी खेत की तरफ ले जा रहे थे। हादसे की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में हाईटेंशन तार सड़क से करीब 10 फीट ऊपर से ही गुजरी है। इसके चलते ही यह हादसा हुआ है।

बताया जा रहा है कि खुटहन गांव का रहने वाले घनश्याम के बेटे विश्ववल्लभ यादव (23) और शशिभूषण यादव (25) मंगलवार की सुबह किसी काम से लोहे की सीढ़ी लेकर घर से निकले थे। घर के सामने लगे खड़ंजे से जाते वक्त उनकी सीढ़ी ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार से टच हो गई। सीढ़ी में उतरे करंट की चपेट में आकर दो भाई झुलस गए और मौके पर ही अचेत होकर गिर गए। आनन-फानन में परिजन जिला अस्पताल ले गए, जहां पहुंचते ही दोनों को मृत घोषित कर दिया।

राजा को खाई में फेंकने वाली सोनम रघुवंशी ही थी

- मौत से पहले हत्यारों से खूब लड़े थे राजा रघुवंशी

इंदौर. सोमवार सुबह यानी 9 जून से लेकर अब तक मिली जानकारी में ये तो साफ हो गया कि राजा रघुवंशी की असली कातिल खुद उसकी पत्नी सोनम है। पहले खुद को बेचारा और बदहवास दिखाकर विक्टिम कार्ड खूब खेला पर बेवफा सोनम की एक न चली। इंदौर कपल केस में एक और खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,शिलॉन्ग की उन वादियों में राजा रघुवंशी को अंतिम धक्का या कहें पति को खाई में फेंकने वाली सोनम ही थी। यह भी पता चला कि खाई में फेंकने से पहले राजा की सांसें चल रही थीं और वह अंतिम सांस तक हत्यारों से लड़ते रहे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो राजा और सोनम के अलावा उन तीन हत्यारों ने पूरी योजना बना ली थी। जैसे ही शिलॉन्ग की ऊंची चोटी पर राजा और सोनम पहुंचे, आरोपियों ने राजा पर हमला कर दिया। अपने ऊपर हुए हमले के बाद राजा डिगा नहीं और हत्यारों का डटकर मुकाबला किया,लेकिन सीने और सिर पर गंभीर वार के चलते लड़ना मुश्किल था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार,पुलिस ने बताया कि 4 में से एक आरोपी जिसका नाम विशाल चौहान था,उसने राजा के सिर पर पीछे से हमला किया था। वह सुनकर सोनम वहीं खड़ी थी और चीखते हुए बोली मार डालो इसे। आरोपियों ने बताया कि खाई में फेंकने से पहले तक राजा रघुवंशी जिंदा था। आरोपियों के लिए राजा को खाई में मारने के बाद धकेलने में दिक्कत हो रही थी,तब सोनम ने ही मदद कर अंतिम धक्का मारा और राजा रघुवंशी गहरी खाई में गिर गया।

आरोपियों ने यह भी बताया कि मर्डर से आधे घंटे पहले सोनम ने राजा की मां से फोन पर बात की थी। आरोपियों में से एक आकाश नीचे बाइक की निगरानी कर रहा था,उसे ये देखना था कि कहीं कोई वहां आ तो नहीं रहा है। बता दें कि राजा से सोनम के सुपारी किलर्स ने एक दिन पहले यानी 22 मई को ही दोस्ती कर ली थी। राजा को भरोसे में लेते हुए उन्होंने 23 मई को इसल वारदात को अंजाम दिया। मर्डर के बाद सभी आरोपी राज कुशवाहा के साथ इंदौर आ गए थे और सोनम वहीं भटक रही थी।

सोनम ने आरोपियों के ट्रेन के टिकट बुक करवाए थे

विशाल चौहान | राज कुशवाहा | आकाश राजपूत | आनंद कुर्मी

इंदौर के राजा रघुवंशी (29) की हत्या के मामले में लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। सोनम (24) ने पति राजा और खुद की फ्लाइट के टिकट कराए। साथ ही चार आरोपियों राज कुशवाह (19), आकाश राजपूत (23), आनंद कुर्मी (21) और विशाल चौहान (23) का ट्रेन का टिकट कराया था। सोनम राजा को जबरदस्ती गुवाहाटी स्थित कामाख्या देवी दर्शन के लिए ले गई थी।

शादी के बाद सोनम अपने मायके में ही थी। इस दौरान उसने दो सिम खरीदी। प्रेमी राज कुशवाह सोनम के पिता की दुकान पर काम करता था। इसलिए सोनम ने आसानी से एक सिम राज को दे दी, दूसरी अपने पास रखी।

20 मई को राज जब रेलवे स्टेशन पहुंचा तो उसका मन बदल गया और वह ट्रेन में नहीं बैठा। राज ने सिम दोस्त विशाल को दे दी। इसके बाद सोनम की बातचीत विशाल से ही हुई।

विशाल ने सोनम को बताया कि राज उनके साथ नहीं आया है। उसने उन्हें (बाकी आरोपियों को) भी जाने से मना किया था। इस पर सोनम नाराज हुई। फिर कहा कि प्लान के मुताबिक ही पूरा काम होना चाहिए।

ये जानकारी इंदौर क्राइम ब्रांच के एक अफसर ने बताई। उन्होंने बताया कि इन सभी बिंदुओं पर मेघालय पुलिस जांच कर रही है।

मेघालय की पुलिस प्रमुख के मुताबिक, शिलॉन्ग में राजा रघुवंशी की हत्या पत्नी सोनम रघुवंशी ने ही करवाई थी। सोनम ने अपने प्रेमी से कहा था कि शादी पिता की मर्जी से कर रही थी, लेकिन राजा को रास्ते से हटा दूंगी। उसने राजा की हत्या के लिए प्रेमी के दोस्तों को 50 हजार रुपए में

देश में 6800 कोरोना केस, 68 मौतें

- 24 घंटे में 300 से ज्यादा मामले बढ़े
- ग्वालियर में 3 डॉक्टर पॉजिटिव
- हेल्थ डिपार्टमेंट अलर्ट पर

नई दिल्ली. देश में कोरोनावायरस के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 6815 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 324 नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2053 केस हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट्स से 12 राज्यों में 68 मरीजों की मौत हुई हैं। सोमवार को केरल, दिल्ली और झारखंड में 1-1 मरीज ने जान गंवाई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 मौतें हुई हैं।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सोमवार को 3 डॉक्टर समेत 6 नए केस सामने आए। इसके बाद से जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है। MP में फिलहाल 43 एक्टिव केस हैं।

कोरोना के बढ़ते मामले के बीच पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों से बैठक की। ममता ने कहा- उम्मीद है कि महामारी दोबारा न लौटे, लेकिन हमें तैयार रहना होगा। राज्य के सरकारी अस्पतालों में इलाज की पूरी व्यवस्था है, ऐसे में लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट

भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। ICMR के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे LF.7, XFG, JN.1 और NB.1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं, लोगों को चिंता नहीं, बस सतर्क रहना चाहिए।

दिल्ली में अपार्टमेंट के सातवें फ्लोर पर आग लगी

दो बच्चों और पिता ने छलांग लगाई; तीनों की मौत

नई दिल्ली. दिल्ली के द्वारका सेक्टर-13 स्थित शबद अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल के एक फ्लैट में मंगलवार सुबह आग लग गई। फ्लैट के अंदर एक पिता अपने दो बच्चों (एक लड़का-एक लड़की) के साथ फंस गए थे। बचने के लिए 10 साल के दोनों बच्चों ने बालकनी से छलांग लगाई। उनके साथ उनके पिता यश यादव (35) ने भी छलांग लगा दी। तीनों को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि उन्हें सुबह 10:01 बजे इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत आठ फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकल कर्मियों ने बिना देर किए बचाव और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया था। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

फायर डिपार्टमेंट ने बताया- दो लोग अब भी घायल

दोपहर 12:30 बजे फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी ने बताया कि इस घटना में 5 लोग घायल हुए थे, जिन्हें पास के अस्पतालों में ले जाया गया। 4 लोगों को आकाश अस्पताल और 1 व्यक्ति को इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आकाश अस्पताल में भर्ती दो बच्चों को वहां के ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति को भी डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल दो का इलाज जारी है। सभी घायलों को दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के पहुंचने से पहले ही अस्पताल भेज दिया गया था।

ऑस्ट्रिया के स्कूल में गोलीबारी अब तक 11 छात्रों की मौत

- संदिग्ध हमलावर स्कूल का छात्र, बॉडी मिली

ऑस्ट्रिया के ग्राज शहर में मंगलवार सुबह एक हाई स्कूल में फायरिंग की घटना हुई। इसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 28 घायल हो गए। उनमें से कम से कम चार की हालत बेहद गंभीर है। कुछ लोगों के सिर में भी गोली लगी है।

पुलिस ने इलाके में बड़ा ऑपरेशन शुरू कर दिया है और लोगों से कहा गया है कि वे वहां से दूर रहें। ऑस्ट्रियाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, सुबह करीब 10 बजे स्कूल के अंदर गोलियों की आवाजें सुनी गईं।

इसके तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस प्रवक्ता सबरी योर्गुन ने बताया कि पुलिस अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वहां क्या हुआ था। फिलहाल स्पेशल फोर्स कोबरा को मौके पर तैनात किया गया है।

ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि मृतकों वास्तविक संख्या अभी नहीं बताई जा सकती है। घायलों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है।

बोर्ग ड्रेयर्सचुटजेनगैस हाई स्कूल में घटी इस घटना की गंभीरता को देखते हुए पूरे इलाके को घेर लिया गया है और पुलिस ने लोगों से शांत रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध हमलावर था शायद उसी स्कूल का छात्र था और उसने खुद को गोली मारकर जान ले ली। स्कूल के बाथरूम उसकी बॉडी मिलने की भी सूचना है।

ग्राज ऑस्ट्रिया का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, जो देश के दक्षिण-पूर्व में स्थित है और वहां करीब 3 लाख लोग रहते हैं।

शहीद ASP का अंतिम संस्कार, बेटे ने दी मुखाग्नि

रायपुर. सुकमा नक्सल IED ब्लास्ट में शहीद हुए ASP आकाश राव का अंतिम संस्कार किया गया। रायपुर के महादेवघाट मुक्तिधाम में बेटे ने मुखाग्नि दी। परिजन, पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। इस दौरान वहां मौजूद नक्सल ऑपरेशन के चीफ IPS विवेकानंद ने कहा कि आकाश का बलिदान बेकार नहीं जाएगा।

इससे पहले शहीद गिरिपुंजे को माना पुलिस बटालियन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पत्नी ने रोते हुए सैल्यूट किया, वहीं मां-पिता बिलखते रहे। सीएम साय उनके मंत्रियों और अफसरों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंतिम यात्रा के दौरान रास्ते भर 'जब तक सूरज चांद रहेगा, आकाश तेरा नाम रहेगा' के नारों की गूंज रही। अंतिम यात्रा में कलेक्टर के साथ कई अफसर और बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

शहीद आकाश राव गिरिपुंजे रायपुर के रहने वाले थे। वह सुकमा में एडिशनल एसपी के पद पर पदस्थ थे। रायपुर के कुशालपुर इलाके में उनका पूरा परिवार रहता है। उनके माता-पिता पत्नी दो छोटे बच्चे यहीं रहते थे।

बुधवार को शहीद ASP की 6 साल की बेटी नव्या का जन्मदिन है। पूरा परिवार इस जन्मदिन को सेलिब्रेट करने की तैयारी में लगा हुआ था। आकाश भी सुकमा से बेटी के जन्मदिन में आने वाले थे मगर अब सब कुछ बदल चुका है।

लॉस एंजिल्स में आईफोन लूट ले गए लोग

लॉस एंजिल्स. अमेरिका के शहर लॉस एंजिल्स में चल रहे प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने एप्पल स्टोर और जॉर्डन फ्लैगशिप समेत तमाम स्टोर्स को लूट लिया। कथित तौर पर यह घटना क्रम रविवार की रात हुआ। सोशल मीडिया पर इस घटनाक्रम का वीडियो भी वायरल हो रहा है। कथित तौर पर जिस वक्त प्रदर्शनकारी एप्पल स्टोर में लूटपाट कर रहे थे उसी वक्त वहां पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई, जिसके बाद कई लुटेरे एप्पल स्टोर के अंदर ही फंस गए।

दिल्ली की पूर्व CM आतिशी पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली. दिल्ली की पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (AAP) की नेता आतिशी को दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को हिरासत में ले लिया। आतिशी कालकाजी के भूमिहीन कैंप में एंटी-डेमोलिशन प्रदर्शन में शामिल हुई थीं। आतिशी ने कहा कि BJP कल इन झुग्गियों को गिराने जा रही है। मुझे आज इसलिए जेल भेजा जा रहा है, क्योंकि मैं इन झुग्गीवासियों के लिए आवाज उठा रही हूं।

आतिशी ने बीजेपी और दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि BJP और रेखा गुप्ता को झुग्गीवासियों की बद्दुआ लगेगी और भाजपा सत्ता में कभी वापस नहीं आएगी। उन्होंने सोशल मीडिया 'X' पर कहा कि भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस कान खोलकर सुन ले। उसकी तानाशाही और बुलडोजर एक्शन के खिलाफ AAP आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। हम ना तुमसे डरते हैं और न तुम्हारी पुलिस से।

धोनी ICC के हॉल ऑफ फेम में शामिल

- ये उपलब्धि पाने वाले 11वें भारतीय
- बोले- मेरे लिए गर्व की बात

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। सोमवार को ICC ने इसकी घोषणा की।

धोनी यह सम्मान पाने वाले 11वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। ICC ने धोनी के करियर को लेकर कहा, ₹17,266 इंटरनेशनल रन, 829 शिकार और 538 मैच... ये आंकड़े सिर्फ उनकी प्रतिभा ही नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता, फिटनेस और लंबे करियर का प्रमाण हैं।₹

वहीं, धोनी ने इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ₹ICC हॉल ऑफ फेम में नाम आना एक बहुत बड़ा सम्मान है। दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम देखना मेरे लिए गर्व की बात है। यह पल मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।₹

ICC बोला- मुश्किल परिस्थिति में कप्तान बने, टीम को जिताया

ICC ने बताया कि 2007 में जब भारत ODI वर्ल्ड कप में जल्दी बाहर हो गया था, तब मुश्किल परिस्थिति में T20 वर्ल्ड कप के लिए धोनी को कप्तान बनाया गया। उस युवा टीम में रोहित शर्मा, आरपी सिंह, दिनेश कार्तिक और रॉबिन उथप्पा जैसे नए चेहरे थे। धोनी ने इन खिलाड़ियों के साथ ऐसा आत्मविश्वास दिखाया कि भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता।

सेना को नया एयर डिफेंस सिस्टम मिलेगा

- इसकी खासियत मूविंग टारगेट तबाह करना
- DRDO से 30 हजार करोड़ में 3 रेजिमेंट खरीदी जाएंगी

नई दिल्ली. भारतीय सेना को जल्द ही नया एयर डिफेंस सिस्टम मिल सकता है। डिफेंस के अधिकारियों के मुताबिक- रक्षा मंत्रालय चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनाती के लिए क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम (QRSAM) की तीन रेजिमेंट खरीदने को लेकर विचार कर रहा है। ये डील 30 हजार करोड़ की होगी।

QRSAM दिन और रात दोनों समय कारगर है, इसकी सफल टेस्टिंग भी की जा चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस डिफेंस सिस्टम को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (DRDO) ने तैयार किया है। ये एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। QRSAM सिस्टम में मूविंग टारगेट खोजने, ट्रैक करने और कम समय में फायर करने की कैपेसिटी है। लगभग 30 KM की रेंज के साथ QRSAM मीडियम से कम डिस्टेंस में मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम (MRSAM) और आकाश जैसी मौजूदा एयर डिफेंस सिस्टम को सपोर्ट करेगी।

इस डिफेंस सिस्टम के सेना में शामिल करने के लिए काउंसिल की बैठक जून के चौथे सप्ताह में हो सकती है। अभी भारत के पास आकाशतीर, S-400 सिस्टम और आयरन ड्रोन जैसे एयर डिफेंस सिस्टम मौजूद हैं। इन्होंने ही भारत-पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई तक चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान की ओर से भेजे गईं चीनी मिसाइलें और तुर्किस ड्रोन्स को खत्म किया था।

अस्पताल में माफी मांगें स्वास्थ्य मंत्री

- गोवा CMO बोले- स्टूडियो में बैठकर माफी स्वीकार नहीं
- मंत्री ने सीनियर डॉक्टर को सबके सामने डांटा था

गोवा. गोवा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (GMCH) के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ. रुद्रेश कुट्टीकर ने गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे की माफी को खारिज कर दिया है। डॉ. कुट्टीकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि राणे की माफी महज एक "स्टूडियो माफी" है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने मांग की है कि मंत्री उसी अस्पताल वार्ड में आकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें,

जहां उन्हें अपमानित किया गया था। इससे पहले मंत्री विश्वजीत राणे ने सोमवार को बदसलूकी के मामले में CMO से माफी मांगी थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि मैंने हीट ऑफ द मूमेंट में जिस तरह से स्थिति को हैंडल किया, उसका मुझे बहुत दुख है।

वहीं, GMCH के डॉक्टरों ने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। डॉक्टरों का कहना है कि जब तक मंत्री सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, चिकित्सा सेवाएं बंद रहेगी।

मंत्री ने डॉक्टर को फटकार लगाई थी

स्वास्थ्य मंत्री राणे ने 7 जून को GMCH का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात डॉ. रुद्रेश कुट्टीकर पर मरीजों के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया और सबके सामने फटकार लगाई। उन्होंने डॉक्टर को सस्पेंड करने का आदेश भी दे दिया था। हालांकि, बाद में गोवा सरकार ने सस्पेंशन वापस ले लिया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें स्वास्थ्य मंत्री राणे ने डॉक्टर की तरफ उंगली दिखाते हुए कहा था, 'आप अपनी जुबान पर काबू रखना सीखिए, आप डॉक्टर हैं। मैं आमतौर पर अपना आपा नहीं खोता, लेकिन आपको मरीजों से ठीक से व्यवहार करना होगा।'

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव
स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

जा.क्र.अंप/पाणी पुरवठा विभाग/2025-26/236 — दि. 6/06/2025

कोटेशन नोटीस

अंबरनाथ नगरपरिषदेस खालील काम करावयाचे असुन, नोंदणीकृत ठेकेदार यांचेकडुन त्याबाबत सिलबंद कोटेशन्स मागविण्यास येत आहेत. ज्या कोणास सदर काम करावयाचे असेल त्यांनी सदर कामांचे दर सर्व करांसह बंद पाकीटात खाली सही करणार यांचेकडे दि. 19/06/2025 रोजी सायं. 3.00 वाजे पर्यंत आणून द्यावेत. तसेच आलेली कोटेशन त्याच दिवशी किंवा प्रशासनाच्या सोयीनूसार हजर कोटेशन धारकांसमक्ष उघडण्यात येतील. कोणतेही एक कोटेशन एक कागदपत्र सादर न केल्यास किंवा सादर केलेल्या कोणत्याही कागदपत्रात खरेपणा न आढळल्यास कोटेशन फेटाळण्यात येतील याची नोंद घ्यावी.

अ. क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित रक्कम रु. (GST वगळून)	इसारा रक्कम रु.
1.	अंबरनाथ पूर्वेकडील बारकुपाडा येथील भालचंद्र भोईर यांच्या कार्यालयापासून ते फासेपारधी वसत रोडपर्यंत गटार आणि कल्व्हर्ट बांधणे.	रु. 5,67,406/-	रु. 5,674/-
2.	अंबरनाथ पश्चिमेकडील वॉर्ड क्र. 27 येथील फिरोज खान, संजय लोंढे यांचे घरापासून ते अख्तर यांचे घरापर्यंत भुयारी गटार लाईन टाकणे.	रु. 5,52,413/-	रु. 5,524/-
3.	अंबरनाथ नगरपरिषद हद्दीतील प्रभाग क्र. 26 नवीन भेंडीपाडा येथील समाजमंदिर व शौचालयाचा परिसरात पेव्हर ब्लॉक बसविणे.	रु. 7,35,078/-	रु. 7,350/-

१) तांत्रिक बोलीचा लिफाफाक्र. ०1
अ) पॅनकार्ड
ब) कॉन्ट्रॅक्टर परवाना.
क) जी.एस.टी.नोंदणी प्रमाणपत्र.
ड) इसारा रक्कमेचा डी.डी

२) वित्तीय बोलीचा लिफाफाक्र. ०२
अ) मूळ प्रतितील दरपत्रक.

टिप :- सदर कोटेशन नगरपरिषदेच्या WWW.ambarnathcouncil.net या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.
प्रत :- सुरक्षा विभाग नगरपरिषद नोटीस बोर्डावर प्रसिध्दीकरिता.

सही/-
उमाकांत गायकवाड़
मुख्याधिकारी
अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ.

संक्षेप...

पति ने पत्नी की हत्या के बाद खुद कर ली आत्महत्या

नवी मुंबई. नवी मुंबई खारघर के सेक्टर 34 में किराए के कमरे में रहने वाले एक पाकिस्तानी दंपत्ति की लाश मिली, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान पुलिस को दंपत्ति के शरीर पर गंभीर चोटें मिलीं। संदेह है कि पति ने पत्नी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतकों के नाम नोतनदास उर्फ संजय सचदेव (उम्र, 45) और सपना सचदेव हैं। सचदेव दंपत्ति पाकिस्तान के सिंधी नागरिक हैं। वे नवंबर 2024 में लॉन्ग टर्म विजिट वीजा पर भारत आए थे। जानकारी के अनुसार सचदेव की पाकिस्तान जाने की जिद कर रही थी जबकि सचदेव भारत में ही रहना चाहता था इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था।

छत्रपति शिवाजी महाराज के जयकारों से गूंजा रायगड़

हर्षोल्लास से मनाया गया 351वां शिवराज्याभिषेक समारोह

■ 'शिवसृष्टि' के निर्माण के लिए हरसंभव सहायता - DCM शिंदे

रायगड़. छत्रपति शिवाजी महाराज के विचार और आचरण को आदर्श मानकर राज्य सरकार ने अपनी यात्रा शुरू की है। पाचाड में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए एक भव्य दिव्य शिवसृष्टि बनाया जाएगा और इसके लिए सरकार द्वारा हर तरह की सहायता प्रदान की जाएगी। यह आश्वासन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिया।

युगपुरुष छत्रपति शिवाजी महाराज का 352वां राज्याभिषेक दिवस समारोह जेष्ठ माह के प्रथम दिन शुद्ध त्रयोदशी को दुर्गाराज रायगढ़ में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। वह उस समय बोल रहे थे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री उदय सामंत, रोहियो मंत्री भरत गोगावले, राज्य मंत्री योगेश कदम, खा. श्रीरंग बारणे, महेंद्र थोरवे, शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद घोसाळकर, जिला कलेक्टर किशन जावले, पुलिस अधीक्षक अचल दलाल, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नेहा भोसले, कोंकण कड़ा मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश पवार, कार्यकारी अध्यक्ष नितिन पावले और अन्य

गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में महाराष्ट्र भर से आए शिवभक्त उपस्थित थे।

सोमवार सुबह नगारखाना के पास ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। ढोल-नगाड़ों और झांझ-मंजीरों की ध्वनि के बीच शिव प्रतिमा की पालकी को राजमहल में लाया गया। मुख्य समारोह राजपुरोहितों और वेदों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ। श्री पंचाक्षर महेश्वर (जंगम) पुरोहित मंडल ने अनुष्ठानिक पूजा की। पूजा कार्यक्रम का संचालन मंत्री भरत गोगावले और उनकी पत्नी सुषमा गोगावले ने किया।

सबसे पहले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवराज्याभिषेक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पवित्र भूमि शिवाजी के चरणों के स्पर्श से पवित्र हुई है। यदि 352 वर्ष पहले शिव का राज्याभिषेक न हुआ होता तो आज हम यहां नहीं होते। उनकी दूरदर्शिता के कारण ही स्वराज्य की नींव रखी गयी। छत्रपति शिवाजी महाराज ने जाति, धर्म और रंग से परे जाकर रैयत राज्य की स्थापना की। इसलिए वे न केवल महाराष्ट्र के बल्कि पूरे देश के राष्ट्रीय नायक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी का रुख भी छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि चाहे कितना भी समय बीत जाए और चाहे हम कितनी भी तकनीकी प्रगति कर लें, हममें से कोई भी शिवाजी महाराज की विरासत को नहीं भूल पाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गडकोट किले और मंदिरों को संरक्षित और संरक्षित करने का निर्णय लिया है।

भरत गोगावले ने शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम की शुरुआत में उद्घाटन भाषण देते हुए रोहयो राज्य मंत्री भरत गोगावले ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 'ऑपरेशन सिंदूर' में भाग लेने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि शिवश्रुति के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत 50 करोड़ रुपये की योजना तैयार है और जल्द ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने उन सभी शिव भक्तों का आभार व्यक्त किया जो अपने खर्च पर रायगढ़ आए और हवा, बारिश या गर्मी की परवाह किए बिना दो दिनों तक लगातार सेवा की। शिवराज्याभिषेक समारोह के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज को सबसे पहले रायगढ़ पुलिस बल द्वारा राजकीय सलामी दी गई। इस उत्सव के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोक नृत्यों, मार्शल आर्ट प्रदर्शनों और खेल प्रदर्शनों ने उपस्थित लोगों को रायगढ़ में शिव युग का अनुभव करने का एक अनूठा क्षण प्रदान किया।

ठाणे में रेलवे प्रशासन के खिलाफ मोर्चा

ठाणे. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने आज ठाणे में दिवा-मुंब्रा रेलवे स्टेशनों के बीच हुए हादसे को लेकर मोर्चा निकाला। इस मोर्चे के दौरान रेलवे प्रशासन की निष्क्रियता के खिलाफ विरोध जताया गया, खासकर मंगलवार को हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना की पृष्ठभूमि में। मोर्चे में शामिल कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगें उठाईं और रेलवे प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे के सुझाव के अनुसार रेलवे ट्रेनों के प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग व्यवस्था की जानी चाहिए, दिवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस जैसी लोकल सेवाएं शुरू की जानी चाहिए, रेलवे स्टेशन परिसर से फेरीवालों को हटाया जाना चाहिए और यात्रियों के प्रवेश और निकास को सुगम बनाया जाना चाहिए, संभावित दुर्घटनाओं की जानकारी प्रस्तुत की जानी चाहिए, मुंबई लोकल ट्रेनों में बैठने की क्षमता उपलब्ध कराई जानी चाहिए,25 लाख रुपये का दुर्घटना मुआवजा किया जाना चाहिए, लंबित दुर्घटना मामलों की जानकारी प्राप्त की जानी चाहिए, यात्री नियम प्रस्तुत किए जाने चाहिए, मुंबई लोकल सेवाओं से होने वाली आय और व्यय की जानकारी प्रदान की जानी चाहिए, एक स्वतंत्र मुंबई लोकल बोर्ड की स्थापना के निर्णय के बारे में जानकारी दिया जाय, सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी देना चाहिए, प्लेटफॉर्म पर भगदड़ की स्थिति के खिलाफ उपाय किए जाने चाहिए। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के इस मोर्चे में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर रेलवे प्रशासन की निष्क्रियता के खिलाफ जोरदार विरोध किया। मनसे नेता और पालघर ठाणे जिला अध्यक्ष अविनाश जाधव ने इस मोर्चे के माध्यम से सभी यात्रियों की सुरक्षा और सेवा के लिए आवश्यक बदलाव करने की अपील की। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के इस आंदोलन से रेलवे प्रशासन की नीतियों में सुधार की उम्मीद है, तथा मनसे के मार्च में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। मनसे ने चेतावनी दी कि यदि आगामी आठ दिनों में सभी प्रासंगिक मांगें पूरी नहीं की गईं, तो मनसे की तर्ज पर आंदोलन किया जाएगा।

अगले आठ दिनों में रेलवे स्टेशनों पर खाद्य पदार्थ और पेपर स्टॉल हटा दिए जाएं। अन्यथा मनसे इन स्टॉल को उखाड़ फेंकेगी, ऐसी चेतावनी अविनाश जाधव ने दी।इस अवसर पर प्रकाश भोईर पूर्व विधायक, रविंद्र मोरे, ठाणे शहर अध्यक्ष, मनोज गुलवी, संदीप राणे, राहुल कामत सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

सिविल अस्पताल में निःशुल्क मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और अन्य नेत्र शल्य चिकित्सा

ठाणे. इसका उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के महत्व से अवगत कराना और अधिक से अधिक नागरिकों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करना है। 'विश्व नेत्रदान दिवस' हर साल 10 जून को मनाया जाता है और इस अवसर पर ठाणे सिविल अस्पताल में नेत्रदान दिवस पखवाड़े के दौरान निःशुल्क मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और अन्य नेत्र शल्य चिकित्सा की जाएगी और साथ ही अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग करके जन जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाएगा।भारत समेत कई विकासशील देशों में अंधापन एक गंभीर समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कॉर्निया, मोतियाबिंद और ग्लूकोमा से संबंधित बीमारियां अंधेपन का मुख्य कारण हैं। ऐसे में नेत्रदान कई अंधे लोगों के लिए नया जीवन बन सकता है। इसके लिए। यह दिवस जाने-माने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आर. ए. भालचंद्र की याद में आयोजित किया जाता है। जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ.धीरज महांगड़े के मार्गदर्शन में नेत्रदान पखवाड़ा किया जायेगा यह जानकारी नेत्र विशेषज्ञ डॉ. शुभांगी आंबडेकर ने बताया।

आंखें हमारे महत्वपूर्ण अंगों में सबसे नाजुक हिस्सा हैं। इसलिए आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए उचित आहार, नियमित जांच, तनाव मुक्त जीवनशैली के साथ-साथ धूम्रपान से बचना, धूप का चश्मा लगाना, कंप्यूटर के सामने काम करते समय एंटी-ग्लेयर चश्मा पहनना जैसी आदतें जरूरी हैं।इस पखवाड़े के अवसर पर चिकित्सा संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों और स्कूल-कॉलेजों में नेत्रदान के बारे में जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। नागरिकों को बड़ी संख्या में आगे आकर लोगों को नेत्रदान के बारे में जागरूक करना जरूरी है।

नेत्र रोग विशेषज्ञों के अनुसार, हर दिन कम से कम दो लीटर पानी पीना चाहिए, आधे घंटे के लिए आंखों को आराम देना चाहिए और कम रोशनी में पढ़ने से बचना चाहिए।यह उपाय करने से आंखों का स्वास्थ्य लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है।
-डॉ. शुभांगी अंबाडेकर
(नेत्र रोग विशेषज्ञ, सिविल अस्पताल)

नेत्रदान उन रोगियों के लिए आशा की किरण हो सकता है, जो अपनी दृष्टि खो चुके हैं, इसलिए विश्व नेत्रदान दिवस के अवसर पर प्रत्येक जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यह संदेश फैलाए कि स्मृत्यु के बाद नेत्रदान करें, किसी को रोशनी दें।
-डॉ. कैलाश पवार
(जिला शल्य चिकित्सक, ठाणे)

हार्बर और ट्रांस हार्बर लाइन पर ट्रेन सेवाएं बाधित

मुंबई. मुंबई की लाइफ़ लाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेन सेवाओं की समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जहां कल सेंट्रल लाइन पर कुछ यात्रियों की गिरने से दर्दनाक मौत हो गई थी, वहीं आज हार्बर और ट्रांस हार्बर लाइन पर यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सुबह करीब 8 बजे नेरूल स्टेशन के पास सिग्नल में आई तकनीकी खराबी के कारण हार्बर लाइन पर ट्रेन सेवाएं एक घंटे से अधिक समय तक बाधित रहीं। इसका सीधा असर पीक आवर्स में यात्रा कर रहे हजारों यात्रियों पर पड़ा। स्टेशन पर भारी भीड़ जमा हो गई और लोग एक से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने के लिए परेशान होते रहे। हालात को देखते हुए वाशी से कुछ विशेष सेवाएं शुरू की गईं, लेकिन वह भी यात्रियों की संख्या के सामने नाकाफी साबित हुईं।

आज सुबह की इस तकनीकी खराबी ने दोनों लाइनों पर यात्रा करनेवाले नौकरीपेशा और कामकाजी लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। लोग समय पर ऑफिस नहीं पहुंच पाए और कई यात्रियों को वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ा। मुंबई में लगातार हो रही लोकल ट्रेन सेवाओं में रुकावटों ने एक बार फिर रेल प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

25 लाख से ज्यादा लोग करते हैं सफर

गौरतलब है कि हार्बर और ट्रांस हार्बर लाइन से रोजाना लगभग 25 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। हार्बर लाइन रायगड़ जिले के पनवेल से शुरू होकर मुंबई के सीएसटी (अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) तक जाती है, जो नई मुंबई को दक्षिण मुंबई से जोड़ती है। वहीं ट्रांस हार्बर लाइन पनवेल से ठाणे के बीच चलती है, जो नई मुंबई को ठाणे से जोड़ती है।

यात्रियों ने ठोस कदम उठाने की मांग की

लोगों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए जल्द ही कोई ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, नहीं तो "मुंबई की लाइफ़ लाइन" कहे जाने वाली लोकल, यात्रियों के लिए रोज़ की चुनौती बन जाएगी। यात्रियों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से उनको परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धारावी से 2 स्टंटबाज गिरफ्तार

मुंबई. बांद्रा पश्चिम क्षेत्र में कार्टर रोड पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर वीडियो फिल्माने के मामले में खार पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है. यह सनसनीखेज घटना 9 जून की देर रात करीब 12:27 बजे की है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की. पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो में एक व्यक्ति तेज गति से चल रही कार के बोनट पर बैठा हुआ दिखाई दे रहा था, जो न केवल उसकी बल्कि अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा था. यह वीडियो सबसे पहले सोशल मीडिया अकाउंट 'बांद्रा बज़' पर पोस्ट किया गया था. वीडियो की सत्यता की जांच के बाद पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत प्राथमिकी दर्ज की.

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत

जिप में टीबी फोरम समिति की बैठक संपन्न

ठाणे. राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत ठाणे जिलाधिकारी व जिला ठाणे टीबी फोरम समिति की बैठक 9 जून को जिलाधिकारी अशोक शिनगारे की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक की शुरुआत में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. ए.एस. मुंजाल ने ठाणे जिला व ठाणे मनपा, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण डोंबिवली, भिवंडी निजामपुर, वसई विरार, मीरा भयंदर की रिपोर्ट प्रस्तुत की और कम प्रदर्शन संकेतकों वाले संदिग्ध टीबी रोगियों की जांच करने का सुझाव दिया।साथ ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने जिला क्षय रोग अधिकारी ठाणे को ठाणे जिले में टीबी मुक्त अभियान को मिशन मोड में चलाने के निर्देश दिए और यह भी निर्देश दिए कि शक्ति और पीपीएसए परियोजनाओं के तहत शेष संदिग्ध टीबी रोगियों के एक्स-रे और थूक के नमूने की जांच के लिए एक विशेष कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए और सभी टीबी रोगियों की जांच की जानी चाहिए, और इसकी प्रगति रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत की जानी चाहिए। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी ठाणे डॉ. गंगाधर परगे, शहर क्षय रोग अधिकारी उल्हासनगर, चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक और मनपा के अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एंटाप हिल से ठग पकड़ा गया

मुंबईः साइबर पुलिस ने एंटॉप हिल से एक व्यक्ति को साइबर धोखाधड़ी रैकेट में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया है. जिसने कोलाबा निवासी 70 वर्षीय महिला से 19 लाख रुपये ठगा था. गिरफ्तार आरोपी की पहचान झारखंड निवासी वसीम अंसारी (26) के रूप में हुई है. जो फिलहाल एंटॉप हिल इलाके में रहता है. अंसारी साइबर क्राइम सिंडिकेट की पहली परत का हिस्सा था, और उसने अपने बैंक खाते में ठगी की गई राशि के 3 लाख रुपये प्राप्त किए थे.

हेरा फेरी-3 में नहीं लौटेंगे परेश रावल

■ फैंस की रिक्वेस्ट पर साफ किया इनकार

■ आशीष चंचलानी बोले- आप फ्रैंजाइजी की आत्मा, दिल से रिक्वेस्ट, वापस आ जाइए

परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी-3 छोड़ दी है, जिससे मेकर्स और उनके बीच लीगल लड़ाई शुरू हो चुकी है। परेश रावल ने साइनिंग अमाउंट भी लौटा दिया है। हालांकि दूसरी तरफ हेरा फेरी फ्रेंचाइजी के फैंस लगातार उनकी फिल्म में वापसी की मांग कर रहे हैं। इन फैंस में इन्फ्लूएंसर आशीष चंचलानी भी शामिल हैं। हालांकि परेश रावल ने फैंस की रिक्वेस्ट पर साफ इनकार कर दिया है। इसी बीच जब एक फैन ने कहा कि परेश रावल हेरा फेरी के हीरो हैं, तो एक्टर ने टोकते हुए अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को भी फिल्म का हीरो बताया है। दरअसल, हाल ही में एक फैन ने परेश रावल से फिल्म छोड़ने पर दोबारा विचार करने की बात कही। फैन ने लिखा, सर प्लीज सोचिए, हेरा फेरी को फिर जॉइन करने के बारे में। आप इस फिल्म के हीरो हैं।

इस पोस्ट के जवाब में परेश रावल ने लिखा, नहीं, हेरा फेरी में 3 हीरो हैं। परेश रावल का रिएक्शन आने के बाद पॉपुलर इन्फ्लूएंसर ने कमेंट में लिखा, सर मैं जानता हूं कि आप बाबू भैया के रोल से थका हुआ महसूस कर रहे होंगे और ये आपके लिए मुश्किल सिचुएशन होगी, जिसे कोई और नहीं समझ सकता। लेकिन हम सब दिल से रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि लौट आइए। आप वाकई इस फ्रेंचाइजी की आत्मा हैं। आशा है आप कोई रास्ता ढूंढ निकालेंगे।

देवनार कत्लखाने से लाखों की चोरी

मुंबई. देवनार पुलिस ने बकरीद के मौके पर देवनार कत्लखाने में जानवर बेचने आए एक व्यापारी के 11.70 लाख रुपये चोरी करने वाले एक 25 वर्षीय शातिर चोर को पुणे स्थित चिंचवड रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस निरीक्षक (क्राइम) विजयकुमार अंबरगे ने आरोपी की पहचान अरफात खालिद कुरैशी के रूप में की है, जो पेशे से ऑटो रिक्शा चालक है और कुर्ला कसाईवाड़ा इलाके में रहता है.

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बासित अली सैयद ने बताया कि शिकायतकर्ता बकरीद के दौरान अपने जानवर बेचने आया था. उसने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी. अपराध प्रकटीकरण पथक के सहायक पुलिस निरीक्षक राहुल मोकाटे और उनकी टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी कौशल का उपयोग कर मात्र 24 घंटे में ही आरोपी को पुणे से गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपी के पास से 9,10,800 रुपये नकद और 18,000 रुपये कीमत के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं. पुलिस आगे की जांच कर रही है कि इसने कितने और व्यापारियों को अपना शिकार बनाया है.

आम सूचना

हम श्री अनिल गुलाबचंद राजपाल व श्री गोपाल गुलाबचंद राजपाल सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 501 (टैरेस फ्लैट) पांचवा माला, संत पोहुराम अपार्टमेंट, बैरक नं. 209-ए, बेवस चौक, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 17एआय016006900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती प्रिया ओमप्रकाश वजीरानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 17.7.2019 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अनिल गुलाबचंद राजपाल
व श्री गोपाल गुलाबचंद राजपाल

मोबाइल नहीं दिया तो नाबालिग ने उठाया खौफनाक कदम

मुंबई. मुंबई के गोरेगांव स्थित आरे कॉलोनी से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. जहां एक 14 वर्षीय नाबालिग ने सिर्फ इसलिए अपनी जान दे दी क्योंकि उसे गेम खेलने के लिए मोबाइल फोन नहीं दिया गया.

पुलिस के मुताबिक, घटना के दिन लड़की ने खुद को अपने घर के एक कमरे में बंद कर लिया. काफी देर तक बाहर न आने पर जब परिजनों ने दरवाजा तोड़ा, तो वह बेहोशी की हालत में मिली. उसे तुरंत जोगेश्वरी के ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.

गेम खेलने का था शौक

परिजनों ने पुलिस को बताया कि लड़की को मोबाइल पर गेम खेलने का शौक था. उस दिन जब उसे फोन इस्तेमाल करने से मना किया गया, तो वह गुस्से में आ गई और कमरे में जाकर खुद को बंद कर लिया. इसी दौरान उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया.

इस मामले में किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है. आरे पुलिस स्टेशन ने एडीआर दर्ज कर ली है और आगे की जांच जारी है. यह घटना न केवल डिजिटल लत के गंभीर परिणामों को उजागर करती है, बल्कि यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और स्क्रीन एक्सेस को लेकर समाज और अभिभावकों को कितनी सतर्कता बरतने की जरूरत है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099